दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरूक्षेत्र

सूचना

दिनांक–24.08.2021

महाविद्यालय की सभी छात्राओं को सूचित किया जाता है कि आर्य युवती परिषद् एवं संस्कृत साहित्य परिषद् द्वारा योगेश्वर श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में 28.08.2021 (शनिवार) को प्रात: 11:00 बजे ऑनलाइन Google Meet के माध्यम से एक विस्तार व्याख्यान आयोजित किया जा रहा हैं। Google Meet का Link सभी छात्राओं को उनके विषयों के Whatsapp Groups पर 28.08.2021 को प्रातः 10:30 बजे तक भेज दिया जाएगा। छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य हैं।

Double tap to Edit

प्राचार्या
Principal
Dayanand Mahila Mahavidyalaya
Kurukshetra (Haryana)

संयोजिका
24.08.021
(आर्य युवती परिषद्)

एवं

(संस्कृत साहित्य परिषद्)

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र
प्रैस–नोट

आज दिनांक 28.08.2021 को दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र की संस्कृत साहित्य परिषद् एवं आर्य युवती परिषद् द्वारा योगीराज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में योगीराज श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन पर आधारित ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. सुरेन्द्र कुमार, निदेशक महर्षि दयानन्द एवं वैदिक अध्ययन केन्द्र महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक थे। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विजेश्वरी शर्मा ने मुख्य वक्ता का स्वागत करने के साथ–साथ उनका संक्षिप्त परिचय भी प्रस्तुत किया। छात्राओं को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता ने अपने उद्बोधन में पर्व का महत्व बताते हुए कहा कि पर्व हमें अपनी समृद्ध सभ्यता और परम्पराओं से अवगत करवाते तथा जीवन में उर्जा का नवसंचार करते हैं। वैदिक ऋषियों ने महापुरूषों के जीवन तथा अपनी संस्कृति और परम्पराओं से जोड़े रखने के लिए ही पर्व मनाने की परम्परा स्थापित की थी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व एक ऐसे नीति निपुण महापुरूष के चरित्र को स्मरण एवं धारण करने का पर्व है। मुख्य वक्ता ने योगीराज श्रीकृष्ण के बाल्यकाल की घटनाओं से लेकर महाभारत के युद्ध तक की समस्त घटनाओं एवं संघर्ष पूर्ण जीवन दर्शन से छात्राओं को अवगत करवाया। आर्यवर्त को अत्याचार एवं दुष्ट राजाओं से मुक्त करवाने के लिए उन्होंने श्रेष्ठ योद्धा अर्जुन के हृदय में उत्साह का संचार किया। मुख्य वक्ता ने छात्राओं को इस बात पर बल देते हुए कहा कि एक ओर जहां श्रीकृष्ण पाण्डवों के यज्ञ में आतिथ्य का कार्यभार सम्भालते हैं वहीं दूसरी और कौरवों को समझाने के लिए कि महाभारत का युद्ध टाला जा सकता है इस कार्य के लिए पाण्डवों के शान्तिदूत बनकर जाते हैं। इस प्रकार श्रीकृष्ण का समस्त जीवन हमें कठिन परिस्थितियों तथा संघर्षों से जूझते हुए एक नए समाज का निर्माण करने की प्रेरणा देता है। अपने वक्तव्य के अंत में उन्होंने तैत्तिरीय उपनिषद् के अनुशासनोपदेश से आचार्यों का वह उपदेश जो हमें केवल सुचरित का पालन करने के लिए प्रेरित करता हैं। इसे उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया। प्राचार्या महोदया ने मुख्य वक्ता का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा छात्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि योगीराज श्रीकृष्ण जैसे वीर पुरूष के इस जन्म पर्व पर हमें यह अवश्य विचार करना होगा कि हम उनके सद्गुणों का आचरण करते हुए इन पर्वों को मनाएं क्योंकि पर्वों के माध्यम से हम उर्जावान होते हैं तथा ये पर्व हमें सामाजिक एकता की ओर उन्मुख करते है। कार्यक्रम के समापन पर परिषद् की संयोजिका डॉ. सुमन राजन ने उपस्थित परिषद् की सदस्याओं, प्राध्यापिकाओं, सभी छात्राओं एवं महाविद्यालय की प्राचार्या और मुख्य वक्ता का आभार अभिव्यक्त किया।

28.08.021

पंजाब केसरी
SUNDAY 29 अगस्त 2021

'श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन पर आधारित ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान आयोजित'

कुरुक्षेत्र, 28 अगस्त (विनीत अरोड़ा): दयानन्द महिला महाविद्यालय की संस्कृत साहित्य परिषद् एवं आर्य युवती परिषद् द्वारा योगीराज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में योगीराज श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन पर आधारित ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. सुरेन्द्र कुमार, निदेशक महर्षि दयानन्द एवं वैदिक अध्ययन केन्द्र महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. विजेश्वरी शर्मा ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि पर्व हमें अपनी समृद्ध सभ्यता और परम्पराओं से अवगत करवाते तथा जीवन में उर्जा का नवसंचार करते हैं। वैदिक ऋषियों ने महापुरूषों के जीवन तथा अपनी संस्कृति और परम्पराओं से जोड़े रखने के लिए ही पर्व मनाने की परम्परा स्थापित की थी।

ऑनलाइन व्याख्यान में भाग लेते वक्ता।

कार्यक्रम के समापन पर परिषद् की संयोजिका डा. सुमन राजन ने उपस्थित परिषद् की सदस्याओं, प्राध्यापिकाओं, सभी छात्राओं एवं महाविद्यालय की प्राचार्या और मुख्य वक्ता का आभार अभिव्यक्त किया।

अमर उजाला
29.08.2021

दयानंद महिला कॉलेज में ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित

कुरुक्षेत्र। दयानंद महिला महाविद्यालय की संस्कृत साहित्य परिषद् एवं आर्य युवती परिषद् की ओर से योगीराज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन पर आधारित ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें महर्षि दयानंद एवं वैदिक अध्ययन केंद्र महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के निदेशक प्रो. सुरेंद्र कुमार मुख्य वक्ता रहे।

मुख्य वक्ता ने कहा कि पर्व हमें समृद्ध सभ्यता और परंपराओं से अवगत कराकर जीवन में ऊर्जा का नवसंचार करते हैं। वैदिक ऋषियों ने महापुरुषों के जीवन तथा अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़े रखने के लिए ही पर्व मनाने की परंपरा स्थापित की। संवाद